

Note : If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – www.jainelibrary.org and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

अल्पपरिचितसैद्धान्तिक शब्दकोष भाग-५

फोल्डर नं.	०१६०७८
ग्रन्थ	अल्पपरिचितसैद्धान्तिक शब्दकोष भाग-५
लेखक	आचार्य श्री आनंदसागरसूरिजी
संपादक	मुनि कंचनविजयजी, मुनि क्षेमंकरसागरजी
प्रकाशक	देवचंद लालभाई जैन पुस्तकोद्धार फंड – सुरत
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	१९७९
पृष्ठ	३१२

मुख्य टाईटल

प्रकाशकीय

गमोत्थुणं समणस्स भगवओ महावीरस्स

गमोऽथुणं समणस्स भगवओ महावीरस्स

यत किंचित

संज्ञापत्रकम

पत्राङ्कसूचा

श्रीशेठदेवचन्दनलालभाईजैनपुस्तकोद्धारफण्डनां प्रकाशनो

श्रुतसागर

विषयानुक्रम

शकार -----	१०३३
क्षणमत्स्य -----	१०३८
संगलिया -----	१०४३
संजुग-----	१०४८
संधिकम -----	१०५३
संभिन्नसोता -----	१०५८
संवाहमारी-----	१०६३
सउवयार -----	१०६८

सच्चित्तरजो -----	१०७३
सत्तकिति -----	१०७८
सन्नाई -----	१०८३
समंतओ -----	१०८८
सपभिपडित्ते -----	१०९३
समिति -----	१०९८
सम्भोगार्थ -----	११०३
सरणद -----	११०८
सविलियं -----	१११३
ससुंठि -----	१११८
सागारठवंति -----	११२३
सामान्यलब्ध्यक्षरं -----	११२८
सावत्थी -----	११३३
सिंधाण -----	११३८
सिद्धसेणायरिए -----	११४३
सिलिंधपुप्फ -----	११४८
सीवग -----	११५३
सुक्किलपत्ता -----	११५८
सुद्धपरिहारिओ -----	११६३
सुमणातिया -----	११६८
सुविसाय -----	११७३
सूर्इओ -----	११७८
सेज्झाकप्पविहण्णू -----	११८३
सेहकुल -----	११८८
सोलसम -----	११९३
हच्छो -----	११९८
हरियगरेरिज्जमामे -----	१२०३
हियउंडए -----	१२०८
हेवाक -----	१२३३
अणह -----	१२१८
अरुणकंत -----	१२२३
आत्मवैयावृत्यकर -----	१२२८
उक्तोल्यं -----	१२३३
कुच्छ -----	१२३८
जायामाया -----	१२४३

णिवेययंति -----	१२४८
पालको -----	१२५३
अक्का -----	२
ईल्लो -----	७
ओसा -----	१२
कोविआ -----	१७
चूडो -----	२२
णिअलं-----	२७
दुंदुभिअं -----	३२
पिडच्छा -----	३७
महअरो -----	४२
वद्धिओ -----	४७
सभरो -----	५२
हिल्लूरी -----	५६